(ख) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बकों को वर्ष 1984, 1985 और 1986 के दौरान जारी किये गये प्राधिकार पत्रों/लाइसेंसों और लाइसेंसों के उपयोग का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

निम्न वर्ष के दौरान	किए गए आबंटन	खोले गए कार्यालयों की संख्या*
1.1.84 से 31.12.84	3936	3320
1.1.85 से 31.12.85	1009	3979
1.1.86 से 31.12.86	670	300

*इसमें गत अवधियों के दौरान जारी किए गए प्राधिकार पत्रों/लाइसेंसों के आधार पर खोले गए कार्यालय भी शामिल हैं।

हरियाणा को सहायता

2260. **श्री रशीद मसूद** : क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि प्रधान मंत्री ने कुछ महीने पूर्व हरियाणा को 402 करोड़ रु० की सहायता देने की घोषणा की थी;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि उक्त राशि में से हरियाणा राज्य को केवल 102 करोड़ रु० की राशि ही प्राप्त हो सकी है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि राज्य सरकार ने इस संबंध में केन्द्र सरकार को अनेक पत्र लिखे हैं और यदि हां, तो शेष राशि संबंधित राज्य को अभी तक न दिये जाने के क्या कारण हैं?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) इस घोषणा में राज्य और केन्द्रीय सरकार की योजना और गैर-योजना स्कीमों और वित्तीय संस्थाओं के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया था।

(ख) और (ग) 181 करोड़ रु० से अधिक की राशि पहले ही दी जा चुकी है। जल संसाधन मंत्रालय के बजट में वर्ष 1987-88 के दौरान सतलुज-यमुना लिंक नहर के लिये 69.40 करोड़ रु० का प्रावधान रखा गया है। जिसमें से 20 करोड़ रु० की राशि अगस्त, 1987 के अंत तक दिये जाने की संभावना है। इसके अलावा, नबार्ड के देय किस्त (35 करोड़ रु०) को एक वर्ष तक आस्थगित रखने की भी सहमति दे गयी है।

योजना व्यय तथा योजना से इतर व्यय

2261. **श्री रशीद मसूद** :
श्रीमती रेणुका चौधरी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संसाधनों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने चालू वर्ष में योजना व्यय तथा योजना से इतर व्यय में 20,000 करोड़ पये की कमी करने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और व्यय में कमी किये जाने के क्या कारण हैं; और